# सेवा भारती अवध प्रान्त

ई -पत्रिका

## समाज-दर्पण

विक्रम संवत 2081 जून -अगस्त 2025

त्रैमासिक पत्रिका,(जून -अगस्त) 2025

WWW.SEWABHARATIAWADH.ORG

10 Sep 2025 SEWA BHARATI E-bulletin

## || सांघिक गीत ||

मातृ वंदनार्थ हम, सपुत योग्यतम बने
लक्ष्य एक मात्र है, मातृभू सबल बने ||ध्रु||

ईश्वरीय कार्य से हृदय है सभी जुड़े
शुद्ध भाव से चलो ध्येयमार्ग पर बढ़े
भावना समेत हम कार्यकुशल भी बने
लक्ष्य एक मात्र है मातृभू सबल बने ||१||

है कठीन साधना राह भी नहीं सरल
कार्यतंत्र सीखकर हम करे गती चपल
व्यक्तिगत विकास से संगठन सुफल बने
लक्ष्य एक मात्र है मातृभू सबल बने ||२||

ले विभिन्न कुशलता व्रत सेवा का धरे
समझ मर्म कार्य का दृढ प्रभाव को करे
अर्चना पवित्र है सिद्ध उपकरण बने
लक्ष्य एक मात्र है मातृभू सबल बने ||३||

# “100 वर्ष की संघ यात्रा – नए क्षितिज”

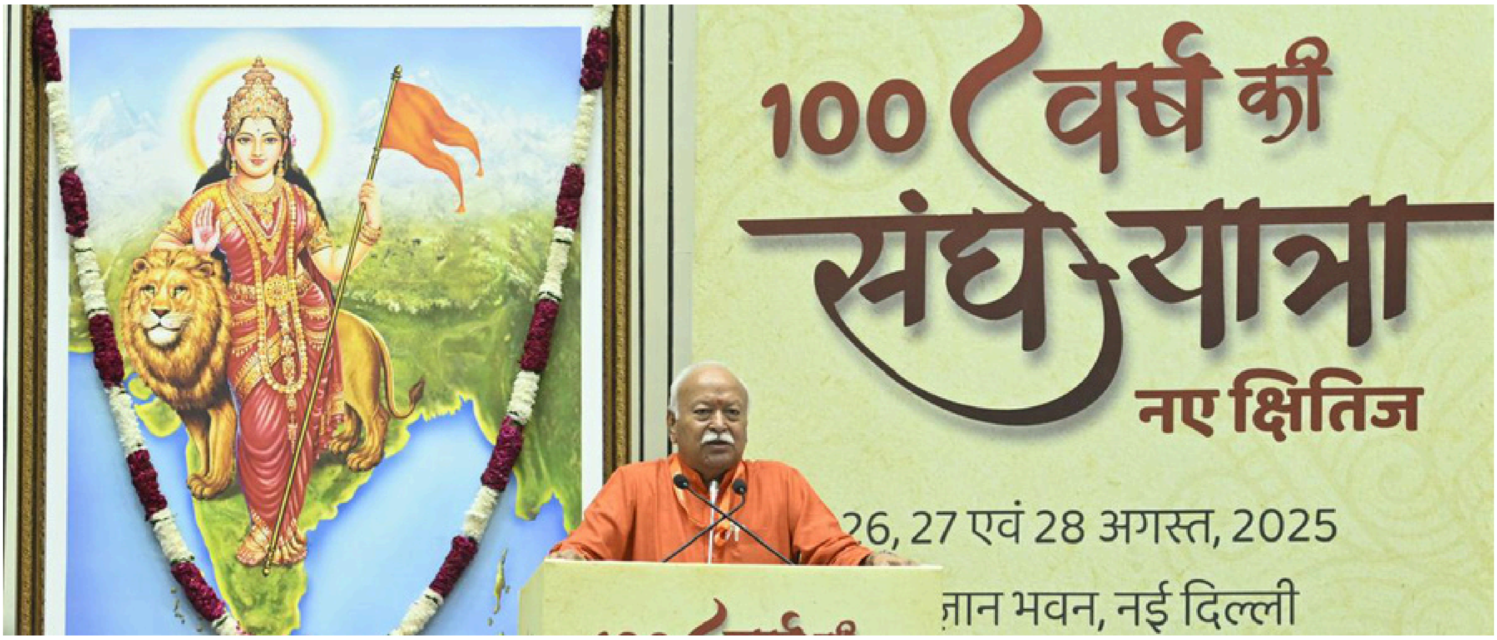


### विज्ञान भवन, दिल्ली में त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला

26 से 28 अगस्त तक दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में “100 वर्ष की संघ यात्रा – नए क्षितिज”विषय पर त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला का भव्य आयोजन हुआ।

**मुख्य वक्ता सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी रहे।** देश-विदेश के विद्वान, प्रबुद्धजन और अनेक देशों के राजनयिक इस अवसर पर उपस्थित थे।

विज्ञान भवन की अत्याधुनिक व्यवस्था के कारण हिंदी भाषण का सीधा अनुवाद अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश और जर्मन में हेडफोन से सुनने की सुविधा भी उपलब्ध थी। वास्तव में, यह कार्यक्रम देश के वैचारिक क्षेत्र का Who’s Who साबित हुआ।

### तीन दिनों का प्रवास : अतीत से भविष्य तक

- **पहला दिन :** सरसंघचालक जी ने संघ की स्थापना, उसकी आवश्यकता और सौ वर्षों की यात्रा का परिचय दिया।
- **दूसरा दिन :** संघ की भावी दिशा, लक्ष्य और अगले सौ वर्षों की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार रखे।
- **तीसरा दिन :** खुले प्रश्नोत्तर सत्र में धैर्य और स्पष्टता के साथ जिज्ञासाओं का समाधान किया।

यह व्याख्यानमाला केवल इतिहास का पुनरावलोकन नहीं थी, बल्कि भविष्य की दिशा दर्शाने वाली थी।

**धर्म की नई व्याख्या – “प्रैक्टिस, न कि प्रीचिंग”** डॉ. भागवत जी ने धर्म की व्याख्या करते हुए कहा-**“धर्म (Religion नहीं) वह प्राकृतिक नियम है, जो सृष्टि की गति को सही दिशा देता है।”**उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्व को धर्म का संदेश प्रवचन या धर्मांतरण से नहीं, बल्कि जीवन में उसका उदाहरण प्रस्तुत करके देना होगा। यानी “Not by Preaching, not by Conversion, but by Practice.”यह संदेश आज के वैश्विक परिदृश्य में अत्यंत प्रासंगिक है।

### ‘वसुधैव कुटुंबकम्’ : भारत का वैश्विक संकल्प

संघ की दृष्टि में आने वाले सौ वर्षों का ध्येय है—‘वसुधैव कुटुंबकम्’ की संकल्पना को धरातल पर उतारना। यानी विश्व के हर देश और समाज में वहाँ की प्रकृति और प्रवृत्ति के अनुरूप मानवता आधारित हिन्दू दृष्टिकोण का संवर्धन करना। इस संदर्भ में उन्होंने स्वातंत्र्यवीर सावरकर की काव्य-पंक्तियाँ और स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण को भी स्मरण कराया।

### पंच परिवर्तन : समाज में नए आयाम

संघ ने समाज में प्रत्यक्ष परिवर्तन हेतु पाँच आयाम (पंच परिवर्तन) निर्धारित किए हैं—

1. **समरसता –** जाति-पंथ से ऊपर उठकर एकजुट समाज।
2. **पर्यावरण –** प्रकृति-सम्मत जीवनशैली का पुनः अनुसरण।
3. **‘स्व’ का जागरण –** स्वदेशी और आत्मगौरव का संवर्धन।
4. **परिवार प्रबोधन –** समाज की सबसे छोटी इकाई, परिवार को सशक्त बनाना।
5. **नागरिक कर्तव्य –** राष्ट्रहित में उत्तरदायित्व निभाना।

### हिंदू राष्ट्र की अवधारणा

त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला में ‘हिंदू’ शब्द पर आए प्रश्नों का भी उन्होंने तर्कपूर्ण समाधान दिया।उन्होंने कहा-**“भारत हिंदू राष्ट्र है, इसे अलग से घोषित करने की आवश्यकता नहीं है।”**

### निष्कर्ष

राजनीतिक शोर और मीडिया की हलचल से परे देखें, तो यह व्याख्यानमाला भारत के भविष्य का एक स्पष्ट, सकारात्मक और वैश्विक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

यह केवल संघ की शताब्दी यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष है।

# “बेटियाँ बनीं राष्ट्र निर्माण की आधारशिला”

**उन्नाव, 14 जून 2025 — सेवा भारती अवध प्रांत, उन्नाव विभाग** द्वारा आयोजित “किशोरी विकास वर्ग” 7 से 14 जून 2025 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ग का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाना था। **वर्ग की प्रमुख विशेषताएँ**

**आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम**

किशोरियों को आत्मनिर्भर बनाना, अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता विकसित करना और आत्मविश्वास के साथ समाज में आगे बढ़ना, इस वर्ग का मुख्य ध्येय रहा।

**अनुशासन और दिनचर्या**

प्रतिदिन प्रातः योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार और प्रेरक कथाओं से दिन की शुरुआत होती थी। इसके बाद दिनभर बौद्धिक, सांस्कृतिक, रचनात्मक और शारीरिक गतिविधियों के सत्र आयोजित हुए।

**कौशल विकास प्रशिक्षण**

- हस्तकला, मेहंदी, रंगोली एवं राखी निर्माण
- घरेलू उपचार एवं प्राथमिक चिकित्सा ज्ञान
- वक्तृत्व कला एवं समूह चर्चा
- स्वदेशी उत्पाद निर्माण व उद्यमिता
- आत्मरक्षा और शरीर सौष्ठव प्रशिक्षण

**भारतीय संस्कार और संस्कृति से जुड़ाव**

रामायण, महाभारत एवं अन्य प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से बालिकाओं को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से परिचित कराया गया।

**अनुभव और प्रेरणा**

इस वर्ग के प्रत्येक दिन ने प्रतिभागी बालिकाओं के जीवन में नई ऊर्जा का संचार किया। आपसी सहयोग, अनुशासन और स्नेह का वातावरण बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास में सहायक बना।

समापन दिवस पर बालिकाओं ने अपने अनुभव साझा किए, जिनमें आत्मगौरव, आत्मविश्वास और उज्जवल भविष्य की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

**समापन – नई शुरुआत की ओर**

यह वर्ग केवल सात दिन की गतिविधि भर नहीं था, बल्कि यह एक संस्कार यात्रा थी।

सेवा भारती द्वारा रोपा गया यह बीज भविष्य में एक सशक्त, संस्कारित और जागरूक नारी के रूप में पल्लवित होगा।

**संदेश**

👉 बेटियाँ केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं।

👉 आत्मनिर्भर, संस्कारित और जागरूक नारी ही एक मजबूत भारत का निर्माण कर सकती है।

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 : लखीमपुर खीरी में सामूहिक योगाभ्यास का भव्य आयोजन

**"योग शरीर को नहीं, आत्मा को भी स्वस्थ करता है – जहाँ सेवा है, वहाँ संस्कार है"**

**सेवा भारती सीतापुर विभाग एवं भारतीय योग संस्थान** के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर लखीमपुर खीरी में एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सैकड़ों योग साधकों ने एक साथ आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कर स्वास्थ्य, संतुलन और सामूहिकता का अद्भुत संदेश दिया।

🔹 **शिविर की प्रमुख झलकियाँ**

✨ सामूहिक योगाभ्यास – विविध आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने एक साथ योग किया।

✨ स्वास्थ्यवर्धक सूक्ष्म जलपान – अंकुरित मूंग और चना से ऊर्जा प्राप्त की।

✨ औषधीय पौधों का वितरण – तुलसी, हरसिंगार और अश्वगंधा जैसी औषधियाँ प्रदान की गईं।

✨ संस्कृति और स्वास्थ्य का संगम – आयोजन ने प्रकृति, परंपरा और स्वास्थ्य को जोड़ा।

🔹 **मान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति**

- श्री गोपाल अग्रवाल जी – जिलाध्यक्ष, सेवा भारती
- श्री अमन अवधेश जी – नगर संघ चालक
- श्री विजय श्रीवास्तव जी – पूर्व शिक्षक, डाइट

- श्री अनिल जी, श्री सीताराम जी, श्री वेद प्रकाश जी
- **कॉलेज परिवार एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता गण**

🔹 **प्रेरक अनुभव**

यह आयोजन केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवनशैली का उत्सव रहा।

योग ने यहाँ उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आत्मा से जोड़ते हुए सेवा, संस्कार और स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखाया।

🔹 **धन्यवाद एवं संकल्प**

इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले भारतीय योग संस्थान, कॉलेज परिवार एवं सेवा भारती के समर्पित कार्यकर्ताओं को हृदय से धन्यवाद।

📢 "योग केवल आसन नहीं, जीवन का दर्शन है।
सेवा और संस्कार के साथ योग ही सशक्त भारत का आधार है।"

# सेवा भारती अवध प्रांत – लखीमपुर : किशोरों हेतु दंत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

**"स्वस्थ दाँत, उज्ज्वल भविष्य"**

**सेवा भारती अवध प्रांत – लखीमपुर** जिला के तत्वावधान में दीनदयाल विद्यालय में दंत स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और दाँतों की देखभाल, ब्रशिंग तकनीक एवं मौखिक स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

🔹 **कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ**

- Dental Health Talk : डॉ. प्रदीप टंडन और डॉ. प्ररुप मेहता ने मौखिक स्वास्थ्य पर उपयोगी मार्गदर्शन दिया।
- Brushing Technique Demonstration : विद्यार्थियों को दाँत साफ करने की सही विधि का प्रदर्शन कराया गया।
- Distribution Drive : सभी बच्चों को ब्रश और टूथपेस्ट वितरित किए गए।
- Participation : लगभग 55 बालक और 45 बालिकाएँ उपस्थित रहीं।

🔹 **मान्य अतिथि एवं मार्गदर्शक**

- डॉ. प्रदीप टंडन – दंत स्वास्थ्य विशेषज्ञ
- डॉ. प्ररुप मेहता – दंत चिकित्सक
- श्री गोपाल अग्रवाल जी – जिलाध्यक्ष, सेवा भारती लखीमपुर

- विद्यालय स्टाफ एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता गण

🔹 **प्रेरक संदेश**

**चिकित्सकों ने बच्चों को बताया –**

- दिन में कम से कम दो बार ब्रश करना आवश्यक है।
- अधिक मीठे पदार्थों से परहेज़ करना चाहिए।
- हर छह माह में एक बार डेंटल चेकअप कराना ज़रूरी है।

✨ **निष्कर्ष**

यह आयोजन केवल एक स्वास्थ्य शिविर नहीं, बल्कि किशोरों के लिए जीवनशैली सुधार का मार्गदर्शन था।

बच्चों ने संकल्प लिया कि वे सीखी हुई बातों को रोज़मर्रा की आदतों में उतारेंगे और अपने परिवार को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

**"सेवा भारती का प्रयास – स्वस्थ मुस्कान के साथ स्वस्थ समाज की ओर।"**

# "आदरणीय युद्धवीर जी के मार्गदर्शन में सेवा भारती अवध प्रान्त के 7 विभागों का प्रावास एवं कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न"

**युद्धवीर जी, क्षेत्र सेवा प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश** द्वारा **सेवा भारती अवध प्रान्त** के **7 विभागों का प्रान्तीय प्रावास** किया गया। इस अवसर पर सभी विभागीय कार्यकर्ता, विश्वस्त एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

**प्रावास का उद्देश्य:**

इस प्रावास का मुख्य उद्देश्य सेवा भारती के प्रकल्पों, गतिविधियों और समाज में उनके योगदान को प्रत्यक्ष रूप से देखने और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करना था। युद्धवीर जी ने प्रत्येक विभाग के केंद्र का दौरा कर कार्य संचालन की जानकारी प्राप्त की और विभागीय कार्यकर्ताओं से उनके अनुभव और सुझाव साझा किए।

**बैठक का आयोजन:**

प्रावास के दौरान सभी कार्यकर्ताओं के साथ विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निम्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई:

- सेवा भारती के प्रकल्पों और गतिविधियों की वर्तमान स्थिति
- विभागीय कार्यों में चुनौतियाँ और समाधान
- आगामी योजनाएँ और कार्यक्रमों का समन्वय
- कार्यकर्ताओं की भूमिका एवं जिम्मेदारियों का स्पष्ट विवरण

**केंद्र का निरीक्षण:**

युद्धवीर जी ने प्रत्येक विभाग के प्रशिक्षण और सेवा केंद्र का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि कैसे प्रत्येक केंद्र समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को उत्साहित किया और सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

**मुख्य संदेश:**

बैठक और प्रावास के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि सेवा भारती का लक्ष्य केवल सेवाएँ प्रदान करना नहीं है, बल्कि समाज में सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के माध्यम से स्थायी परिवर्तन लाना है। युद्धवीर जी ने कहा:

“जब कार्यकर्ता समर्पित हों और प्रत्येक केंद्र अपनी भूमिका निभाए, तभी सेवा भारती समाज के अंतिम छोर तक पहुँच सकती है। यह प्रावास हमें हमारी जिम्मेदारी और मार्गदर्शन दोनों प्रदान करता है।”

**उपस्थित गणमान्य व्यक्ति:**

- आदरणीय युद्धवीर जी, क्षेत्र सेवा प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश
- प्रान्तीय पदाधिकारी एवं सचिवगण
- विभागीय प्रमुख एवं विश्वस्त कार्यकर्ता
- प्रशिक्षण और सेवा केंद्र के समन्वयक

**निष्कर्ष:**

इस प्रावास और बैठक ने कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, प्रेरणा और दिशा प्रदान की। प्रत्येक विभागीय कार्यकर्ता ने यह संकल्प लिया कि वे सेवा भारती के आदर्शों और उद्देश्यों के अनुरूप अपने कार्यों को और प्रभावी ढंग से संचालित करेंगे।

# सेवा भारती लखनऊ विभाग द्वारा सावन हरियाली तीज उत्सव का भव्य आयोजन

**उत्सव का संदेश**

सेवा भारती लखनऊ विभाग द्वारा आयोजित सावन हरियाली तीज उत्सव में सभी बहनों को आमंत्रित किया गया है।

यह कार्यक्रम केवल उत्सव का उल्लास ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और पारिवारिक सौहार्द का प्रतीक होगा।

इस अवसर पर विशेष निवेदन किया गया है कि सभी बहनें हरे रंग के परिधान, हरी चूड़ियाँ और हरी बिंदी धारण कर आएँ, जिससे कार्यक्रम में सावन का सौंदर्य और भी मनमोहक प्रतीत होगा।

👤 **मान्य उपस्थिति**

**इस** कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु सेवा भारती अवध प्रांत की उपाध्यक्ष आदरणीया मनोरमा मिश्रा जी सहित अन्य अतिथि बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रहने वाली है।

✨ **महत्व**

यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक मिलन नहीं, बल्कि समाज में सामूहिकता, परंपरा और नारी-शक्ति के महत्व को प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित करेगा।

**"जहाँ सेवा है, वहाँ संस्कार है – और जहाँ सावन है, वहाँ उत्सव का उल्लास।"**

## "सेवा भारती अवध – हर बच्चे के लिए आशा"

**मेरा नाम तारा है।** माता-पिता न होने के कारण मेरी बहन का एडमिशन कराना बहुत कठिन हो रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन सेवा भारती अवध के सहयोग से मेरी बहन का दाखिला मॉडर्न एकेडमी में हो पाया और आधी फीस का भी प्रबंध किया गया।

यह हमारे लिए बहुत बड़ी मदद है। मैं दिल से सेवा भारती अवध का धन्यवाद करती हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि उनके सभी कार्यकर्ता सदैव सुखी रहें।

**"सेवा भारती अवध – शिक्षा के लिए आशा की किरण।"**

# हुनर की बात – आत्मनिर्भर भारत की ओर सेवा भारती अवध और समर्थ भारत की पहल

**सेवा भारती अवध प्रांत और समर्थ भारत** के संयुक्त प्रयास से युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए "हुनर की बात" अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक ऐसा आंदोलन है जो समाज के हर वर्ग को स्वरोजगार और स्वाभिमान की ओर प्रेरित कर रहा है।

आज के बदलते दौर में जहां रोजगार पाना चुनौतीपूर्ण है, वहीं "हुनर की बात" अभियान युवाओं को यह विश्वास दिला रहा है कि सही कौशल और सही दिशा मिलने पर कोई भी युवा अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है और समाज व राष्ट्र के लिए उपयोगी बन सकता है।

**अभियान की मुख्य विशेषताएँ**

- **प्रशिक्षण केंद्र –** ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी जुड़ सकें।
- **विविध कोर्सेज –** टेलरिंग, कंप्यूटर, ब्यूटी पार्लर, इलेक्ट्रिशियन व अन्य रोजगारपरक प्रशिक्षण।
- **विशेष तकनीकी प्रशिक्षण –** AC, फ्रिज, वाशिंग मशीन और RO रिपेयरिंग का दो माह अवधि का प्रशिक्षण सत्र युवाओं को उपलब्ध कराया गया।
- **महिलाओं के लिए अवसर –** स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता और सम्मान की ओर कदम।
- **ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए –** ताकि हर युवा को बराबर का अवसर मिले।

**✨ प्रभाव और प्रेरणा**

इस अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सैकड़ों युवाओं और बहनों ने न केवल हुनर सीखा है, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और स्वावलंबन का महत्व भी समझा है।

कई युवाओं ने अपना छोटा व्यवसाय शुरू कर परिवार की आय में सहयोग देना शुरू किया है, वहीं अनेक बहनों ने ब्यूटी पार्लर, सिलाई केंद्र और अन्य स्वरोजगार से घर-परिवार को सहारा दिया है।

विशेषकर AC, फ्रिज, वाशिंग मशीन और RO रिपेयरिंग जैसे तकनीकी कोर्स से प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिले हैं।

**संदेश**

"हुनर की बात" केवल रोजगार की दिशा में एक कदम नहीं, बल्कि यह अभियान यह बताता है कि कौशल और संस्कार जब साथ आते हैं, तभी समर्थ भारत का निर्माण होता है।

## रक्षाबंधन उत्सव – हर प्रसाद गुरु प्रसाद छात्रावास, लखनऊ

**हर प्रसाद गुरु प्रसाद छात्रावास, लखनऊ में सेवा भारती अवध प्रांत** के सहयोग से रक्षाबंधन उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर किशोरी विकास प्रमुख लखनऊ विभाग, बहन साधना त्रिपाठी, एवं पिंकी साहनी सहित अन्य बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस कार्यक्रम में छात्राओं और बहनों ने मिलकर रक्षा सूत्र बांधा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उत्सव का आनंद लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल रक्षा बंधन की परंपरा को जीवित रखना, बल्कि छात्राओं में आपसी स्नेह, एकजुटता और संस्कार की भावना को बढ़ावा देना भी था।

**सेवा भारती अवध प्रांत** की यह पहल यह संदेश देती है कि परंपरा, संस्कृति और सेवा एक साथ मिलकर समाज को सशक्त और संवेदनशील बनाते हैं।

**"जहाँ सेवा है, वहाँ संस्कार है – और जहाँ उत्सव है, वहाँ खुशियाँ हैं।"**

## मोतियाबिंद मुक्त अयोध्या – सेवा भारती अवध की पहल

**सेवा भारती अवध, आयोध्या विभाग** ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मोतियाबिंद मुक्त अयोध्या की दिशा में सेवा का अभियान जारी रखा।

**सेवा भारती और कल्याणम करोति के संयुक्त प्रयास से,** श्री दीनबंधु नेत्र चिकित्सालय की विशेषज्ञ टीम ने जिला कारागार, अयोध्या में नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया।

🔹 **शिविर की मुख्य उपलब्धियाँ**

- कुल 182 बंदियों का नेत्र परीक्षण किया गया
- 111 बंदियों को चश्मा प्रदान किया गया
- 98 बंदियों को आवश्यक दवाएँ वितरित की गई
- जरूरतमंदों को नि:शुल्क शल्य चिकित्सा हेतु चिह्नित किया गया

यह सेवा संभव हुई इंडियन ऑयल के सचल नेत्र परीक्षण वाहन की मदद से, जिससे हर बंदी तक विशेषज्ञ नेत्र सेवा पहुँच सकी।

**मिशन: दृष्टिहीनता मुक्त अयोध्या** 🌟

यह पहल न केवल आँखों की रोशनी लौटाने का कार्य कर रही है, बल्कि बंदियों के जीवन में उम्मीद और आत्मविश्वास भी भर रही है।

**सेवा भारती अवध – हर आंख में रोशनी, हर जीवन में उम्मीद।**

# सेवा यात्रा – पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं उत्तर बिहार में निःशुल्क चिकित्सा शिविर

**समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट, राष्ट्रीय सेवा भारती एवं गुलशन कुमार चैरिटेबल ट्रस्ट** के सहयोग से संचालित मोबाइल क्लिनिक पहल के अंतर्गत बलरामपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ सेवा भारती के विभाग महामंत्री (गोंडा विभाग) श्री बी.डी. जायसवाल और जिलाध्यक्ष बलरामपुर श्री रूपेश मिश्रा ने किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी और सेवा भारती के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

यह शिविर पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर बिहार के 16 जिलों में प्रस्तावित 24 शिविरों की श्रृंखला का तीसरा शिविर था। इस सेवा यात्रा की शुरुआत सीतापुर से हुई और 23 अगस्त 2025 को लखनऊ में समाप्त होगी।

🩺 **शिविर में की गई सेवाएँ**

- ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर और कम्प्लीट ब्लड काउंट (CBC) जांच
- अल्सर प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत कुष्ठ रोगियों के घावों की सफाई, ड्रेसिंग और लघु शल्य-चिकित्सा
- चिकित्सकों द्वारा व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श
- निःशुल्क दवा वितरण

- मासिक धर्म स्वच्छता हेतु सेनेटरी पैड वितरण
- दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण

चिकित्सीय दल का नेतृत्व प्रकल्प निदेशिका संतोष रानी ने किया। दल में डॉ. देव उत्कर्ष, रोहित, अंकित, नेहा और किशन शामिल रहे।

**समर्पण चल चिकित्सालय सेवा – सेवा का संकल्प**

समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट की इस पहल के माध्यम से वर्तमान में 10 राज्यों (दिल्ली, बिहार, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश) में 245 कुष्ठ कॉलोनियों में रहने वाले 1 लाख से अधिक परिवारों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।

**आशियाना कुष्ठ आश्रम में सेवा**

समर्पण फाउंडेशन द्वारा आशियाना स्थित कुष्ठ आश्रम में भी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

इस शिविर में सेवा भारती लखनऊ दक्षिण के कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर रोगियों का स्वागत किया और जलपान सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की।

**सेवा भारती अवध  और समर्पण फाउंडेशन – जहाँ सेवा, वहाँ सुधार।**

# सेवा भारती ने युवाओं को दिया आत्मनिर्भर बनने का मंत्र

**सेवा भारती अवध प्रान्त द्वारा आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण का प्रथम बैच सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।** इस प्रशिक्षण में युवाओं को फ्रिज, वॉशिंग मशीन और आरओ रिपेयरिंग जैसे तकनीकी विषयों की गहन शिक्षा दी गई। दो माह चले इस प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रशिक्षुओं को लिखित और मौखिक परीक्षा के आधार पर प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

🌟 **कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ**

- कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गायत्री मंत्र के साथ हुआ।
- इस अवसर पर प्रान्त प्रचारक कौशल जी, समर्थ भारत दिल्ली से राकेश जी, प्रान्त सेवा प्रमुख देवेंद्र जी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।
- प्रशिक्षुओं ने अपने कौशल का प्रदर्शन कर आत्मनिर्भरता और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया।
- मित्सुबिशी चैनल पार्टनर द्वारा रोजगार उपलब्ध कराने की घोषणा ने युवाओं के चेहरे पर नई चमक और आत्मविश्वास भर दिया।

**मार्गदर्शन और प्रेरणा**

- प्रान्त प्रचारक कौशल जी ने इसे मॉडल प्रशिक्षण केंद्र घोषित करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के सहयोग से ही

- आत्मनिर्भरता का यह संकल्प सफल होगा।
- समर्थ भारत के राकेश जी ने स्पष्ट किया कि यह पहल केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर और समाजोपयोगी बनाने का अभियान है।
- इस अवसर पर सेवा भारती लखनऊ पूर्व भाग सचिव सुधीर जी ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

**प्रशिक्षण का प्रभाव और भविष्य की दिशा**

इस प्रशिक्षण ने यह स्पष्ट कर दिया कि युवाओं को सही मार्गदर्शन और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने से वे अपने जीवन में आत्मनिर्भर बन सकते हैं। यह कार्यक्रम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें व्यावसायिक समझ, उद्यमिता और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा दिया गया।

प्रशिक्षियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल तकनीकी ज्ञान प्राप्त किया, बल्कि अपने आत्मविश्वास और जीवन कौशल में भी वृद्धि महसूस की।

**सेवा भारती अवध प्रांत और समर्थ भारत की यह पहल** इस बात का प्रतीक है कि उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से नवयुवक राष्ट्र निर्माण के सशक्त प्रहरी बन सकते हैं।

# सेवा भारती अवध प्रान्त का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर एवं कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

**सेवा भारती अवध प्रान्त** द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर, सरसावा अर्जुनगंज में एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर एवं प्रान्त कार्यकारिणी बैठक का भव्य आयोजन किया गया। यह शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक चला, जिसमें प्रान्त कार्यकारिणी, विभागीय पदाधिकारी, विश्वस्त और मंत्रीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

◆ **कार्यक्रम का शुभारंभ**

शिविर का आरम्भ दीप प्रज्वलन से हुआ। उद्घाटन सत्र में प्रान्त अध्यक्ष **श्री रवीन्द्र जी ने कहा –**

"सेवा कार्य केवल दान का माध्यम नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का प्रभावी साधन है। सेवा भारती का प्रत्येक प्रकल्प समाज की अंतिम पंक्ति तक पहुँचना चाहिए।"

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सभी प्रकल्पों में पारदर्शिता, व्यापकता और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए।

◆ **प्रशिक्षण सत्र**

मुख्य प्रशिक्षण सत्र का संचालन राष्ट्रीय सेवा भारती के कार्यकारिणी सदस्य **मा. रमेन्द्र जी** ने किया।

प्रथम सत्र: संगठन की वेबसाइट निर्माण, प्रचार-प्रसार और मीडिया की भूमिका पर मार्गदर्शन।

द्वितीय सत्र: संस्थागत सुदृढ़ीकरण, CSR (कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व), Sponsorship की प्रक्रिया, NGO के अभिलेखों की सुव्यवस्था एवं पारदर्शिता पर चर्चा।

**"आज के समय में सेवा संगठन का सशक्तीकरण तकनीकी दक्षता, वित्तीय पारदर्शिता और समाज के हर वर्ग की भागीदारी से ही संभव है।" – रमेन्द्र जी**

◆ **प्रान्त प्रचारक का मार्गदर्शन**

श्री कौशल जी, प्रान्त प्रचारक (अवध प्रान्त) ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा –

"आने वाला संघ शताब्दी वर्ष संगठन के लिए महत्वपूर्ण है। सेवा भारती के प्रकल्प समाज के अंतिम छोर तक पहुँचना चाहिए। सेवा और संगठन का समन्वय ही समाज परिवर्तन का सशक्त साधन बनेगा।"

उन्होंने विभागों के प्रकल्पों की जानकारी प्राप्त की और आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

◆ **प्रमुख उपस्थिति**

- मा. सरदार श्रवण सिंह जी – प्रान्त संघ चालक (अवध प्रान्त)
- श्री कौशल जी – प्रान्त प्रचारक
- श्री रवीन्द्र जी – अध्यक्ष
- श्री देवेंद्र आस्थाना जी – प्रान्त सेवा प्रमुख
- श्री रजनीश गुप्ता जी – प्रान्त महामंत्री

साथ ही प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य, विभागीय विश्वस्त, मंत्रीगण एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

◆ **विशेष योगदान**

कार्यक्रम के समापन सत्र में राष्ट्रीय सेवा भारती की ओर से अवध प्रान्त को विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

- 7 विभागों को 250 ऑक्सीमीटर वितरित
- 200 सेवा भारती अवध प्रान्त की पुस्तिकाएँ (ब्रॉशर) वितरण

यह सामग्री विभागीय कार्यकर्ताओं को सेवा कार्यों को प्रभावी और व्यापक बनाने हेतु प्रदान की गई।

**विभागवार बैठकें**
मुख्य सत्रों के उपरांत विभागवार बैठकें आयोजित हुईं। इनमें कार्यकर्ताओं ने –

- विभागीय कार्यों की समीक्षा
- वर्तमान चुनौतियों पर विमर्श
- आगामी योजनाओं एवं कार्ययोजना का निर्धारण

◆ **निष्कर्ष**
दिनभर चले प्रशिक्षण शिविर ने कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, दिशा और संगठनात्मक दृष्टि प्रदान की। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट संदेश दिया –
"संगठित प्रयास, सेवा भाव और पारदर्शिता से ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना संभव है।"

## "सेवा भारती लखीमपुर का डिजिटल युग में कदम – नया वेबसाइट पोर्टल हुआ उद्घाटित"

**राष्ट्रीय सेवा भारती के कार्यकारिणी सदस्य मा. रमेन्द्र जी, प्रान्त अध्यक्ष श्री रवीन्द्र जी और प्रान्त प्रचार प्रमुख अभिषेक सिंह जी** की उपस्थिति में सेवा भारती लखीमपुर का नया आधिकारिक वेबसाइट पोर्टल उद्घाटित किया गया।
इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने वेबसाइट के माध्यम से सेवा भारती के विभिन्न प्रकल्पों, सामाजिक कार्यों, समाचार और गतिविधियों का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विस्तार से परिचय प्राप्त किया।
इस वेबसाइट का उद्देश्य जनता, कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को सम्पर्क, सहयोग और सहभागिता का एक आसान और प्रभावी माध्यम प्रदान करना है।
**प्रान्त अध्यक्ष श्री रवीन्द्र जी ने कहा –**
"डिजिटल माध्यम से सेवा कार्यों को व्यापकता देना अब अनिवार्य हो गया है। यह वेबसाइट सेवा भारती लखीमपुर के समर्पित प्रयासों को देश-विदेश तक पहुंचाने में सहायक होगी।"
**मा. रमेन्द्र जी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि –**
"यह पहल केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है, बल्कि समाज सेवा में पारदर्शिता और जनसहभागिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"
**वेबसाइट का निर्माण:**
इस वेबसाइट के निर्माण में **प्रान्त प्रचार प्रमुख अभिषेक सिंह जी** की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और समर्पण से इस वेबसाइट को डिज़ाइन और विकसित किया, जिससे सेवा भारती के कार्यों को डिजिटल रूप में प्रस्तुत किया जा सके। वेबसाइट पर अब सेवाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मेडिकल शिविरों, सामाजिक पहलों और स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं के अनुभवों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।सेवा भारती लखीमपुर के डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब समाज के हर वर्ग तक समय पर जानकारी, सहयोग और सहभागिता पहुँचाना आसान होगा।
**सेवा भारती लखीमपुर ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट** https://www.sewabharatilakhimpur.org

# सेवा भारती अवध प्रान्त को राष्ट्रीय सेवा भारती की ओर से विशेष सहयोग

**राष्ट्रीय सेवा भारती की ओर से सेवा भारती अवध प्रान्त** को विशेष सहयोग प्रदान किया गया। इस सहयोग के तहत प्रान्त के **7 विभागों को कुल 200 (Pulse Oximeter)** वितरित किए गए।

यह उपकरण विभागीय कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य संबंधित गतिविधियों में अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। इन ऑक्सीमीटरों के माध्यम से सेवा भारती अवध प्रान्त अपने सामाजिक और स्वास्थ्य कार्यों को और प्रभावी बना सकेगा।

**मुख्य उद्देश्य:**

- विभागीय कार्यकर्ताओं को आवश्यक स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध कराना।
- सेवा कार्यों की पारदर्शिता और प्रभावशीलता बढ़ाना।
- समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना।

इस अवसर पर **सेवा भारती अवध प्रान्त के अध्यक्ष श्री रवीन्द्र जी, प्रान्त प्रचारक श्री कौशल जी और अन्य गणमान्य पदाधिकारी** उपस्थित रहे।

यह पहल सेवा भारती के समर्पण और संगठनात्मक दक्षता को और मजबूत करती है।

# सेवा भारती अवध प्रान्त के 7 विभागों में ब्रॉशर वितरण एवं उद्घाटन समारोह सम्पन्न

**सेवा भारती अवध प्रान्त** ने अपने 7 विभागों में 200 पुस्तिकाएँ (ब्रॉशर)वितरित कीं। इस अवसर पर ब्रॉशर का उद्घाटन **प्रान्त प्रचारक श्री कौशल जी** द्वारा किया गया।

**उद्घाटन समारोह में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी थे** – प्रान्त अध्यक्ष श्री रवीन्द्र जी, महा मंत्री श्री रजनीश गुप्ता जी, उपाध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मिश्रा जीऔर प्रान्त प्राचार प्रमुख श्री अभिषेक सिंह जी। इस अवसर पर सभी विभागीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

**ब्रॉशर का उद्देश्य:**

- विभागीय कार्यकर्ताओं को सेवा भारती के विभिन्न प्रकल्पों और गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराना।
- समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा कार्यों की प्रभावशीलता और पारदर्शिता बढ़ाना।
- स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों को व्यापक रूप से संचालित करने में मदद करना।

**समापन:**

इस पहल से सेवा भारती अवध प्रान्त के 7 विभागों में कार्यकर्ताओं की जानकारी, क्षमता और संगठनात्मक दक्षता बढ़ेगी। यह ब्रॉशर न केवल विभागीय कार्यों को सुचारू बनाने का माध्यम है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

# सेवा भारती लखीमपुर खीरी ने "सूर्यनारायण राव स्मृति निःशुल्क छात्रावास" का शुभारंभ किया

**'नर सेवा नारायण सेवा'** के अपने ध्येय क्रम में **सेवा भारती लखीमपुर खीरी** ने शिक्षा आयाम के अंतर्गत **"सूर्यनारायण राव स्मृति निःशुल्क छात्रावास"** का शुभारंभ कर बच्चों के ज्ञानार्जन और सर्वांगीण विकास की दिशा में एक अनुकरणीय कदम उठाया।
यह छात्रावास स्थानीय आवास विकास कॉलोनी स्थित डॉ. हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिसर में स्थापित किया गया, जहाँ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों और बस्तियों से चयनित बच्चे नगर में रहकर शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

**शुभारंभ समारोह:**

छात्रावास का उद्घाटन माँ शारदे के वंदन-पूजन, दीप प्रज्वलन और बच्चों के स्वागत के साथ हुआ। सेवा भारती के मंत्री मणीन्द्र भूषण मिश्र ने नगर अतिथियों का परिचय करवाया और छात्रावास नियमावली प्रस्तुत की।

**इस अवसर पर सेवा भारती अवध प्रान्त के महामंत्री रजनीश गुप्ता ने कहा:**

"सेवा कार्य केवल दान का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन का प्रभावी साधन भी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक उद्देश्य के मूल को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क छात्रावास शुरू किया गया है। एक बच्चे के भविष्य को सशक्त बनाकर हम पूरे गाँव और परिवार में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।"

**अन्य प्रमुख उपस्थितिगण:**

विद्यालय के प्रधानाचार्य राम मणि जी, सेवा भारती लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, प्रशिक्षण प्रमुख राम मोहन गुप्त, संरक्षक डॉ. डी.के. वर्मा, महामंत्री योगेश जोशी, छात्रावास प्रमुख अनिल त्रिपाठी, अतुल जायसवाल, प्रेम गुप्ता, आलोक, सरणजीत, दीनानाथ जी, छात्रावास वार्डन पम्मी जी, छात्रावास सहयोगी शानू, विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं, अभिभावक और छात्रावास हित चयनित बच्चे उपस्थित रहे।

**विशेष व्यवस्था:**

कार्यक्रम के उपरांत जलपान की व्यवस्था अभिषेक जी, विभाग प्रचारक द्वारा की गई। छात्रावास में बच्चों के लिए रहने, खाने और स्वास्थ्य सुरक्षा की सभी सुविधाएँ पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

**समाप्ति:**

यह पहल सेवा भारती लखीमपुर खीरी की समर्पित सेवा और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। "सूर्यनारायण राव स्मृति निःशुल्क छात्रावास" न केवल बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, संस्कारित और समाजोपयोगी नागरिक बनने में मार्गदर्शन देगा।

# फोटो गैलरी

# सेवा भारती का सहयोग कैसे करें ?

SEWA BHARTI
5201-XXXXXXX-6377

**Sewa Bharti**
**Union Bank of India, Gomit Nagar ,Lucknow**
**Account No : 520101010996377**
**IFSC CODE: UBIN0905291**

**सेवा भारती को दिया गया दान, आर्थिक सहयोग आयकर की धारा 80 जी के अन्तर्गत आयकर मुक्त है।**

**योगदान / दान हेतु आप सीधे सेवा भारती के वेबसाइट www.sewabharatiawadh.org पर कर सकते हैं।**

# सेवा भारती
# अवध प्रान्त

ई -पत्रिका

## समाज-दर्पण

### संपर्क करें:

आपका स्वागत है! यदि आपके पास सेवा भारती अवध से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी, सुझाव या प्रश्न हैं, तो कृपया हमसे संपर्क करें। हमारी टीम आपकी सहायता के लिए हमेशा तत्पर है।
हमारा उद्देश्य समाज सेवा, शिक्षा और सशक्तिकरण के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाना है। आपकी राय और सुझाव हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।


+91-8789614820

www.sewabharatiawadh.org

sevabharti.avdha@gmail.com

भरत भवन , कुंडरी रकाबगंज , लखनऊ , उत्तर प्रदेश २२६००४